Dainik Bhaskar (Indore), 24th July 2010

नया सीखने की आदत बनाएं

आईआईटी के इंडक्शन प्रोग्राम में छात्रों के साथ शामिल हुए पैरेंट्स

सिटी रिपोर्टर »

स्टूडेंट्स को सोच का दायरा बढ़ाना होगा। आप जितना पढ़ रहे हैं उसके बारे में उतना ही अधिक सोचने की जरूरत है, तभी हम समाज को नई दिशा दे पाएंगे। यह कहना है आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर डॉ. प्रदीप माथुर का। शुक्रवार को यूनिवर्सिटी के आईएमएस ऑडिटोरियम में आईआईटी के नए स्टूडेंट्स के लिए इंडक्शन प्रोग्राम हुआ। इसमें पैरेंट्स भी शामिल हुए।

डॉ. माथुर ने स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए कहा इंस्टिट्यूट का पहला दिन हमेशा याद रहता है। स्टूडेंट्स आज से अपना लक्ष्य तय करें और इसके लिए पूरी मेहनत से लग जाएं। उनका कहना था कुछ विषयों तक ही सीमित न रहें हमेशा नया सीखने की प्रवृति रखें। उन्होंने आईआईटी की उपलब्धि गिनाते हुए कहा कैम्पस में वर्चुअज क्लास शुरू हो गई है और अन्य आईआईटी की तरह मॉडर्न फिजिक्स, केमिस्ट्री लैब भी बनकर तैयार है।
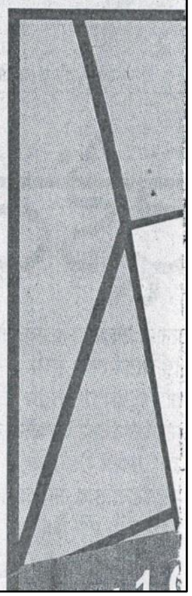
आंध्रप्रदेश से आए संतोष थोरा ने बताया आईआईटी करने का सपना इंदौर ले आया। इलेक्ट्रिकल्स ब्रांच में एडमिशन मिलना मेरे लिए खुशी की बात है। नागपुर से आए निश्चय शर्मा का कहना था आईआईटी मुंबई से पढ़ने की इच्छा थी, लेकिन कुछ नंबर से इंदौर आईआईटी ही मिला। मैकेनिकल डिग्री के बाद एमई कर रिसर्च करना है। कार्यक्रम में आईआईटी के प्रो. नीलेश जैन और टी.के. शर्मा भी उपस्थित थे।